A–0943

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

DCH-101

Diploma in Commercial Horticulture (DCH)

Basic Principles of Horticulture

(उद्यानिकी के मौलिक सिद्धान्त)

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 50

नोट :– यह प्रश्न-पत्र पचास (50) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×13=26)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए तेरह (13) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. धार्मिक एवं पवित्र मूल्य पौधे के बारे में विस्तार से लिखिए।

2. एक व्यवसायिक फलोद्यान लगाते समय आप किन-किन बातों का ध्यान रखेंगे ?

3. उद्यानिकी के मौलिक सिद्धान्तों की विस्तार से व्याख्या कीजिए और उनका पौधों की देखभाल में महत्व समझाइए।

4. सब्जियों का वर्गीकरण विस्तार से कीजिए।

5. भारत में फलोउत्पादन का क्या महत्व है ?

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×6=24)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छः (06) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. इनर्चिंग के लाभ क्या हैं ?

2. ग्राफ्टिंग क्यों की जाती हैं ?

3. लेयरिंग विधि के क्या फायदे होते हैं ?

4. लेयरिंग किस प्रकार पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है ?

5. प्रूनिंग की कौन-सी विधि फूल और फल उत्पादन के लिए अधिक उपयुक्त होती है ?

6. फलोद्यान के लिए भूमि चयन में किन बातों का ध्यान रखा जाता है ?

7. फलोद्यान की भूमि में जल निकासी का प्रबंधन क्यों आवश्यक है ?

8. जैविक खाद के प्रमुख प्रकार कौन-कौनसे हैं ?

****